



मानुषीमिह संस्कृतम् ISSN 2229-547X VIDEHA

I S S N 2229-547X V I D E H A



बिदेह १४८ म अंक १३. फरबरी २०१४ (वर्ष १ मास १४ अंक १४८)

ए अंकमे अछि:-

गजेन्द्र ठाकुरक ठंठका नाटक

मचन्द्र

पात्र

कृतानिह: पैघ-पैघ आथि रौना एकठा हरा

भाषा अनुवादक (रौ अनुवादिका)

हरीरूना: तस्करक सबदाव

एकठा खुशिया अधिकारी

खुशिया अधिकारीक अधिकारी

किछ सिपाही

आतंकी लीडर



अंक १

झतानिहक पैघ-पैघ आँखि... जेन जागत कोठक हाजतमे, दोगि क२
जा बहन अछि । ओतए सिपाहीकेँ खुफिया अधिकारी खेनागक पैकेठ दैत अछि ।
पुनिस खेनागक पैकेठ झतानिहकेँ देनके । ओकवा नग एकठा भाषा अनुरादक (रौ
अनुरादिका) अछि ।)

झतानिह: (चौकित गशारामे पुछैत अछि, ओकवा भाषा अनुरादक (रौ अनुरादिका) राजि
कहैत अछि) ।

भाषा अनुरादक (रौ अनुरादिका): ए नग्रमे क्या ओकब नै.. भाषा सेहो नै ओ
रुँमेए ककरो; आ नहिये ओकब भाषा कियो आन रुँमे छै । तमिन अछि ।

तखन आ भोजनक पैकेठ ओकवा के देनक अछि से पुछि बहन अछि ।



सिपाही: (खुशिया अधिकारी दिस गशोवा करैत) ओ देनखिन्ह । बतुका भोजन छिई । बातिमे जेन रँना खागने नै देते, तै । दिनीक तिहाव जेनमे बाखन जेते ओकवा, ओतए तमिननाड् पनिसक एकठा ईकड़ १ छै, चार्मि शोभबाजक जेनसँ भगनापव ई ईकड़ १केँ रँजाउन गेन छनै, ई दुखारे जे ओ सभ स्थानीय भाषा नै रूने छनै से कोनो अपवाधीसँ मेन-पैच नै कह सकते । ह्दा फेब ओ हान भेने जे दू मासमे ओ सभ सभ गोठे स्थानीय भाषा सीख जाग गेने । ह्दा ओ ओकवा सभसँ गप कह सकत ।

भाषा खनरादक (रौ खनरादिका): (दर्शक दिस तकेत) तिहावमे ह्दानिह किछु रँजि सकत, ओकवा सभक संग । अपना नेन रकीन बखरौक नेन रँत धवा सकत ।

ह्दानिह: (ई रँव रँसी जेबसँ चोकिन, पनठि केँ खुशिया अधिकारी दिस तकनक, गशोवामे रँजेत छि, जकवा भाषा खनरादक (रौ खनरादिका) रँजि कहैत छि) ।

भाषा खनरादक (रौ खनरादिका): (खुशिया अधिकारी दिस तकेत): पूछि बहन छि जे अहाँ देने छिई ?

खुशिया अधिकारी (हथसँ गशोवामे- बाथि निख ।)

ह्दानिह: (दू हाथ जोड़ि कह खुशिया अधिकारीकेँ प्रणाम केनक । आ भार बिह्न भइ कान न नागन, हिचकि-हिचकि, जेब-जेबसँ) ।

(पदकि पाछसँ ओकीनक स्वर सुनाग दइ बहन छि । जे जेबसँ रँजि बहन छि ।)

ओकीन: मिनॉड ! असनी अपवाधी छि ओ ह्दानिह ! हूँसि छि एकव थिम्सा । सह्दक रीचपव दिनमे फिकेठ खेनाग एकव अकर्मप्यता छि । ओ, ह्दानिह, कहए, रँरोजगाव छन तै दिनमे फिकेठ खेनाग छन । आ फेब एकव थिम्सा आगाँ रँदए । एकवा हरैरँना भेठै छै, एकवा पूछै छै... रँरोजगाव छी ? आ एकवा ओ काज दै छै, एकठा रँगमे प्रेशेब हकव आ ओगमे मव-मसला ! ! हकवक पवदाक रीचमे नशोक पाउडव भवि उँये छन ओ ! ! ! हराग जहाजसँ एनाग-गेनाग, आ तै पवसँ एक रँव गेन-आएन पव दस हजाव ठाका रँसने-रँसन भेठै छनै । आ तखन ओ कहए जे एकवा किछु रँमने नै छै, रँमने नै छै जे प्रेशेब हकवमे की नइ जाग छन । आ ह्दा अपवाधी तखन तै भेने हरैरँनाह..)



(मंचपव सभ सकदम भन् जागए, झतानिह रौक सन ठाढ़ अछि । खुनिया अधिकारीकेँ छोड़ि सभ प्रस्थान करैत अछि ।)

खुनिया अधिकारी: ओकीन सहैर, झतानिह कोनो रकीन नै केने अछि । झथा अपवाधी ङा नै अछि, कोनो तमिन रकीनकेँ पकड़ू आ ओकवा कहियौ जे अगिना जमानतक सनराँगमे एकव जमानत कवरैते ।

(ओकीन प्रवेश करैत अछि ।)

ओकीन: हम तमिने छी, ए तबहक रहूत झकदमा नड़ने छी । खाम क२ ओग तमिन सभक, जे दिन्नीमे हँसि जाग छथि, जिनका भाषाक संकष्ट होग छन्हि । हम तँ सबकाबी ओकीन छी, हम तँ एकव पक्षमे नै राजि सकै छी, झदा हमव असिस्टेन्स ओकीन हमव ऑफिसमे ऑफिस घुमैत बहैत अछि । ओ एकव मदति जकव क२ देते ।

(ओकीनक प्रस्थान । खुनिया अधिकारीक अधिकारीक प्रवेश ।)

खुनिया अधिकारीक अधिकारी: कत२ हँसि गेन छी ?

खुनिया अधिकारी: ङा झतानिह अपवाधी अछिये नै, कोनो मादक पदार्थक माहिया हँसा नेने छनै एकवा ।

खुनिया अधिकारीक अधिकारी: हरैरुँला । सूचनाक आधावपव ओकवा घबमे चेन्नमे छपा पड़ने, किछ नै भेटने ।

खुनिया अधिकारी: रँवामदी तँ झतानिहसँ भेने । झदा ङा तँ शीतबंजक गोष्ठी अछि, पार्र-पैदन सिपाही । पार्र-पैदन ।

खुनिया अधिकारीक अधिकारी: हमवा गामक ब्रन्हा पार्र-पैदन सभ सान रौराधाम जागए । हमरे गामक पीखव रँचा हरागाड़ सँ सभ सान रौराधाम जाग छथि ।

दुनू गोष्ठे रीसो सानसँ नगाताव रौराधाम जा बहन छथि । ब्रन्हा रीससानसँ महीमे चवा बहन अछि आ पीखव रँचाक घवाबीपव ए रीस सानमे कोठा-कोठामे भेने जा बहन छन्हि ।



शुश्रिया अधिकारी: झुदा अमन हन कोना भेटै छै ।

शुश्रिया अधिकारीक अधिकारी: झुदा अमन हन तँ पाँर-पैदन गेनेसँ होग छै ।
तेँ ने ब्रूहा रीस मानसँ महीसे चवा बहन अछि । पकरैँ मान तँ हम गेन बही
राँरा धाम । प्रहृन्न भाग गामक रौनरम पाँरक जमादाव छथि । सब मान
पाँर-पैदन जाग छथि । हुनकर राँरु सेहो जमादाव छनथिन्ह । भोना भाग
डाकरम छथि, तीन दिनमे स्वतानप्रबसँ पानि भवि भोनाराँरकैँ चढ़ । दै
छथि । प्रहृन्न भाग सबकैँ संग नह चले छथि, जे निखम भंग करैँ तकरा
दल नगरैँ छथि । पीखर रँचा तँ तते ने मोठाएन छै जे ओकवासँ पाँर-
पैदन जाएन हेते ? झुदा तखन प्रहृन्न भाग की कोना कम मोठाएन छथि ।
झुदा राँरु, नोक की अपने चलेँ, ओकरा तँ राँरा चनरैँ छथिन्ह ।

शुश्रिया अधिकारी: अछूँ गपकैँ रँडु नमारै छी । अही कह छी जे पीखर रँचाक
घवावीपव ए रीस मानमे कोठा-कोठामे भेने जा बहन छन्हि आ ब्रूहा रीस
मानमे महीसे चवा बहन अछि तगपव अहाँक कहनाम छन जे अमन हन
पाँर-पैदन गेनेसँ होग छै । पीखर रँचा जू कहियो पाँर-पैदन राँराधाम
गेने ने छथि, तखन किए ओ कोठा-कोठामे केने जा बहन छथि आ ब्रूहा तँ
सब मान पाँर-पैदन जा बहन अछि तखन किए ओ महीसे चवा बहन अछि ।

शुश्रिया अधिकारीक अधिकारी: यौ, आँखि देखन कह छी । कोठा कियो राँहि ने
निँ, राँरु भोना राँरा मानै छथिन्ह ब्रूहकैँ ।

शुश्रिया अधिकारी: से केना ?

शुश्रिया अधिकारीक अधिकारी: ब्रूहा बस्तामे पाछाँ छुटि गेन । प्रहृन्न भाग चिन्तित
छनथि जे अजशे हएत । सौँसे धमशाना तकि नेनहि । ब्रूहा कोना
पहिनहिये धमशाना आरि जाएत ? ओ तँ पछुआ जाग छन । कोना गाम
घुवनापव नोककैँ झूह देखेता । झुदा भोवमे देखै छथि जे ब्रूहा धमशानाक
कोठनीमे होँह काँठि बहन अछि । आ जगनापव ब्रूहा थिम्मा स्वनरैँ छन्हि, चाक
कात रौन बह, हम हरौटेकाव भह कानि बहन छनौँ । तखने एकठा
दाढ़ीरना रूढ़ । आएन आ छप करेनक । पूछा-पूछी केनक आ माथपव हाथ



बखनक । आ नगैए निन्न आरि गेन । निन्न खुजैए तँ देखे छी जे गोंखा
सभक संग धर्मशानामे पड़न छी ।

खुशिया अधिकारी: अही पाँर-पैदनक लोक सभक तकिमे रौने-रौन खिबराक
डूँठी हमबा भेटैन अछि । मोठ-मोठ राजू आ पाँर-पैदन चनेरना लोक
सभकेँ, झतानिहकेँ, ब्रह्माकेँ अपन मोठ गपसँ रूमारी । ओकरा रूमारी जे
सबकाव देशे ले छिई । ओ छी आ देशे । पाँर-पैदन रा शीतबंजक सिपाही ।
बाजा-बानी ले छी देशे । हरौरूना ले छी देशे । देशे छी झतानिह । देशे
छी ब्रह्मा ।

खुशिया अधिकारीक अधिकारी: कतहँ सँ आएन छी ? दिल्लीसँ तँ ले ।

खुशिया अधिकारी: ले, हम भावतक सिमानसँ आएन छी ।

खुशिया अधिकारीक अधिकारी: चीन, तिब्बत, पाकिस्तान, बांग्लादेशे रा म्यामाबक
सिमानसँ ।

खुशिया अधिकारी: ले, नेपालक सिमानसँ । सीताक देशेसँ ।

खुशिया अधिकारीक अधिकारी: मिथिकन थिम्सारना, हूसिरना देशेसँ ।

खुशिया अधिकारी: ले, आ मिथिकन ले ऐतिहासिक भहँ सकैए । किछ थिम्सामे
तोड़-मरोड़ कएन गेन हएत, झदा गतिहास प्राचीन अछि । तेँ जिनकब
गतिहास ओतेक प्राचीन ले तिनका ले अबघेत हेतहि ।

खुशिया अधिकारीक अधिकारी: रहस, रहस । हथियाबक ट्रेनिंग ओकरा सभकेँ भेटैन छै
तँ अहाँकेँ सेहो भेटैन अछि, विरॉन्व, पिन्ठनसँ स्टनगन धरिक ट्रेनिंग । रहस
ट्रेनिंग सेहो अहाँकेँ भेटैन अछि आ से खानी हमबासँ ले ओकरा सभसँ कक । एकठा आतंकी
नीडब पकड़ एन छै, रिन्न ड्रगक पाग भेने आतंकी काज ले चलि सकत ।

खुशिया अधिकारी: झदा हरौरूना तँ छुटि जागए, झतानिह पकड़ने ड्रगक पागक ओव ले
भेटैत ।

खुशिया अधिकारीक अधिकारी: हरौरूनाक घबपब किछ ले भेटैन ।



थुहिया थुधिकावी: थुपनो रीच ओकव नोक हेते जेना ओकवा रीचमे थुपन नोक थुद्धि ।

थुहिया थुधिकावीक थुधिकावी: पता कक । कैदी थुतंकी नीडवमँ थुद्धि क२ देखू । समथ समवन
जागए, समवन जागए..... ।



अंक २

(ठेबूँन कसौँक एक कात खुशिया अधिकारी आ दोसव कात आतंकी नीडव अछि, दूनूक रीच रैहस चलि बहन छै ।)

खुशिया अधिकारी: केना हमबा सबक काजक सूचना अहाँकेँ भेटैए, हरौबूँलाक सहयोगी के सब अछि ? दुगक पाग कोना आ ककवा नग जाग छै । अतानिहक सबदाव हरौबूँला छी तँ हरौबूँलाक सबदाव के छी ?

आतंकी नीडव: अहक कार्यालयसँ सूचना भेटैए । कोनो सूचनाक अधिकारक अनुज्ञात नै, अहाँक सब काजक सूचना हमबा सब नग आरि जागए । हमरो रीच अहाँक लोक छथि तँ अहाँक रीचमे हमब लोक छथि ।

खुशिया अधिकारी: आ तँ रूमने गप अछि । अदा ओ अछि के ?

आतंकी नीडव: अहाँ तेयो हथियाव नह कह नै चले छी । मिजोबमक नानडेगा तँ हथियाव नह कह चले छना आ असामक परेशि रकखा अदा कथनो हथियाव नह कह नै चले छथि । अहाँक देशे दूनूसँ समनोता केनक । हथियावरना सँ रिन हथियावरना केना कम खतबनाक भेन ? अहाँ हमबा सब नेन रेशी खतबनाक छी ।

खुशिया अधिकारी: देखू, एकठाँ मिजोबमक छात्र अजहजपवपवमे अन्जीनियरिंगमे पढैत छन । ओ हमबा कहने छन जे नानडेगा महान नेता छथि । ओग कान नानडेगा भूमिगत बहथि । देशे हुनका आतंकी मानै छन । अदा ओ एना, देशेक सबकावसँ समनोता केनहि । सब हथियाव जमा कह देनहि । दूनू पक्ष समनोताक गमानदारीसँ पानन केनक आ आग मिजोबम उतवपूरी भागक एकमात्र एहेन समनोता अछि जे पूर्ण रूपसँ सहन अछि । मूलक पहिने नानडेगा अपन बाज्यकेँ शान्तिक पथपव छोड़ि गेना । ओ अन्जीनियरिंगक छात्र ठीके कह छन, नानडेगा महान नेता छथि । महान नेता अपन जनताकेँ रीच ममभावमे नै छोड़ै छै । दुँरैत जहाजक कप्तान जेकाँ ओ अन्तिम समए धरि जहाजपव बहत अछि । जखन जहाजसँ सब रहवा जागए तखन ओ जहाजक मस्तून संगे समुद्रमे ड्रि जागए, जहाज छोड़ि नै भागैए । जँ



नानडेगा समनौता केनहि तँ ओ ओग जनताक भारनाक खनुकप छन, जे हुनका महान रूमोए । जँ ओ मृन्सँ पूर शान्ति समनौता ले कबितथि तँ भइ सकैए ओ अन्जनीनियविङ्क छात्र हुनकापव ओतेक गर्ब ले कह सकितए । ओ जखन अखनो भेटैए, हमवासँ कहैए- देखनौ, हम कह छनौ ने, नानडेगा गज अ ग्रेष्ठ नीडव ।

आतंकी नीडव: हमवा ग्रेष्ठ नीडव रैनरौक सेहन्ता ले अछि । हम सब हथियाव समर्पण कह दी आ तखन जँ सबकाव हमवा संग धोखा कबए ?

अधिका: जँ नानडेगा आ सोचितथि तँ की शान्ति समुद्र छन ? आ सबकाव अछि की ? जे ठेनीरिजनपव अहाँ सब देखै छी, से अछि सबकाव ? ने, ओगमे सँ रहितोकेँ रूमनो ले छै जे देशे नेन के के, की की कह बहन अछि । सब रिभागमे देशेभङ्ग सब भवन छै, दमे प्रतिशत किए ले होइ, आ ओकरे भरोसे आ देशे छै । जे ठेनीरिजनपव अछि, मंत्री-मंत्री, ओगमेसँ ककवा की रूमन छै ? अहाँ रँदनि सकै छी, आ मंत्री-मंत्री रँदनि सकै छथि झूदा देशे ले रँदनत, सबकाव ले रँदनत । ओ समनौताक पानन कबत ।

आतंकी नीडव: अहाँ हमरे सब जेकाँ सोछै छी, झूदा गनत पक्षमे छी ।

अधिका: हम ले अहाँ गनत पक्षमे छी । हथियाव उठैने छी । हथियाव कीनेने द्रुग रैछै छी, रैचरौने छी । कतेक रँचाक भरिषा खतम कह देनिअँ अहाँ सब ।

आतंकी नीडव: कोन भरिषाक गप कह बहन छी अहाँ ? अहाँ फेकट्टी खोनि देखै तँ ओ दबरान रनि जाएत । अहाँ रोड रना देखै तँ ओकवा ओगपव रौदनि रँहावराक लोकरी नागि जेते !

अधिका: अहाँक लोक रैरोजगाव हराक तकिमे बहत अछि, सझद्रक किनावपव, जंगनमे, बेगिस्तानमे, जेकवा काज ले छै, रोजगाव ले छै ओकवा अहाँ ठकि कह द्रुगक धंधामे नगा दै छिअँ । झूतानिह २० सानक रौद जेनसँ रहवाएत, से रोजगाव देनिअँ ओकवा अहाँ सब । मचन्द्र छी अहाँ सब ।

आतंकी नीडव: ओकवा कतेक दिन अहाँक सबकाव बाखत जेनमे ?

अधिका: माने.. माने.. (तमसा कह ठेँरुनपव हाथ पठकैत अछि ।)



आतंकी नीडव: (हँस२ नहए) अहँकेँ तामस उठैए ? अहाँक सिष्टममे निर्नक सनराग ले छै ।
झदा तेयो ओग सिष्टम नैन अहाँ जान अरोपने छी । की देनक अहाँक सिष्टम अहाँकेँ ।
अहाँक सिष्टममे जे हमबा सभने काज करैए से शिहबसँ हिनरौ ले करैए, आ अहाँकेँ रौनक
पौसिष्टंग द२ देने अछि । अहाँ संगे अग्याय भेन अछि । आ जखन अहाँ अपना संग भेन
अग्याय ले रोकि सकै छी तँ हमबा सभकेँ कोना ग्याय दिया सकर ?

खुशिया अधिकारी: आ अहाँक मोनक भ्रम अछि, कोनो अग्याय ले भेन अछि हमबा संग । हमबा
ए काज नैन चुनन गेन अछि ।

आतंकी नीडव: अहाँक दूषपयोग क२ बहन अछि अहाँक सिष्टम । आरि जाड हमबा सभक संग,
लोकरी ओते कक झदा ओत२ बहियो क२ हमबा सभक संग बछ । सोचू, समय निथ...

खुशिया अधिकारी: (तमसागत) अहाँक दिमाग तँ ले खपाप भ२ गेन अछि ? हम एक माससँ
सभ दिन अहाँकेँ रूमैरामे नागन छी झदा अहाँक अनगे खेवहा अछि । अहाँकेँ हँसी रूमा बहन
अछि ?

आतंकी नीडव: अहाँ हमबा एक माससँ रूमा बहन छी आ हमहँ एक माससँ अहाँकेँ रूमैरामे
नागन छी । झतानिह छुटि गेन अछि आ तग नैन अहाँकेँ धन्यवाद ।

खुशिया अधिकारी: हमबा किए धन्यवाद ?

आतंकी नीडव: हमबा सभ गप रूमन अछि । आ ओग काजक प्रबन्धक स्वरूप अहाँकेँ संगठनमे
उच्च पद देन जाएत ।

खुशिया अधिकारी: हमब रिभागमे किछ नोक भयसँ अहाँने काज करैत हेता, तगसँ अहाँक
मोन रँढ़ि गेन अछि ।

आतंकी नीडव: ओ सभ भय रौ पागसँ कानन जा सकैत छथि, झदा तेयो ओ सभदेन काज
कवरै कवता, से रिश्तास हमबा ले अछि । झदा अहाँक छदए हमबा सभक संग अछि,
झतानिहक नैन अहाँक प्रेम तकब प्रमाण अछि आ तँग अहाँकेँ अपन संगठनक कोब ग्रुपमे
नेरौक निर्णय नैन गेन अछि ।

खुशिया अधिकारी: (तामसे सरिथ होगत) निर्णय नैन गेन अछि ? (आतंकी नीडवक ठोठ
पकड़ैत अछि ।) नि....र्ण....य..... नैन गेन अछि ? हम अस्थिबसँ गप क२ बहन छी तँ....

आतंकी नीडव: अहँ मचल्ल छी, सबकाबी मचल्ल । (खोखी करैत आ खुशिया अधिकारीक हाथसँ
अपन कण्ठ छोड़ैत ।) झदा सिफ़ाबुरना... (निसाँ छोड़ैत)... हमरे सभ जेकाँ... (हँसि
नैत) .. जकबा मचल्ल रैन२ पड़ैत अछि... आ तेँ आ निर्णय नैन गेन अछि... (हँससँ नीचाँ
थसि पड़ैत अछि ।)



अंक ३

(खुहिया अधिकारीक माथपव एकठा भारी डण्ठा रजरेए आ ओ रैहोशि भइ जागए । किछ नोक जे ओकरा मावने छन से ओकरा उठा कइ मंचक दोसर दिशामे नइ जागए । ओकरा होशि अरै छै । अतानिह पाछाँस अरैत अछि । संगमे भाषा अन्नरादक(रौ अन्नरादिका) छै ।)

अतानिह: (गोशिवामे रजैए)

भाषा अन्नरादक(रौ अन्नरादिका): (खुहिया अधिकारीकेँ समझावित करैत) कोठ अतानिहकेँ रैन दइ देनकेँ । अतानिह कहैत अछि जे रिनो ड्रगक धंधाक आतंकवाद समुह नै छै, ई नैन जतेक पाग चाली से ड्रगक धंधेसँ अरै छै । अतानिह कहै छथि जे ओ जेनसँ एनाक रौद अहाँ जकाँ रैन चालनक अदा पुनिस थाना, पत्रकाव ओकरा से नै कबइ देनकेँ । अतानिह कहै छथि जे सिस्टम ठीक कबरौक आरथकता अछि, नै तँ

खुहिया अधिकारी: (अतानिहकेँ समझावित करैत) तँ की अहाँ अन्ध थिनाड़ ी छी ? हमबा तँ नगै छन जे अहाँकेँ हँसाएन गेन अछि ।

अतानिह: (गोशिवामे रजैए)

भाषा अन्नरादक(रौ अन्नरादिका): (खुहिया अधिकारीकेँ समझावित करैत) की हर्क पड़ छै । हँसाएन गेन थिनाड़ ी रौ अन्ध थिनाड़ ीमे की हर्क छै । ओना देखै तँ ई तबहक संगठनमे अम्मी प्रतिशे हँसाएन नोक छै, अदा तेना हँसाएन छै जे अन्ध थिनाड़ ीसँ रैशी खतबनाक रह छै । आर अहाँकेँ रह कबरौक अछि जे अतानिह कहैत ।

(खुहिया अधिकारीक माथपव एकठा भारी डण्ठा रजरेए आ ओ रैहोशि भइ जागए । ओकरा छोड़ि कइ सबक प्रश्न । ओकरा हेबसँ होशि आएन छै । मंचक दोसर कात ओ जागए । पुनिसक प्रश्ने । स्थानीय थानामे पुनिसक मोराँगनसँ खुहिया अधिकारी हेलन करैए, अपन पहचान कोड रतरेँ नैन । हेब किछ कानक रौद



मानुषीमिह संस्कृतम् ISSN 2229-547X VIDEHA

ओकब हाकिमक होन ओकबा नग अरै छै । ओ ओकबा नह कइ पदकि पाँछा चनि
जागए । पद कि थसै ।)



अंक ४

(थुहिया अधिकारी आ ओकर अधिकारी गप कह बहल छथि ।)

थुहिया अधिकारी: हमब पहिन यात्रा निवर्धक सिद्ध भेल छथि ।

थुहिया अधिकारीक अधिकारी: झतानिह अहाँकेँ हवा देनक, अहाँक जान रकसि कह ओ अहाँकेँ हवा देनक । रिन हथियावरना सैनिकक हावि, आ रिध सभ सिधने जा बहल छथि ।

थुहिया अधिकारी: किछ मोन पड़ि बहल छथि । दुभाषियाकेँ झतानिह कहि बहल छल आ ओ हमबा कहि बहल छल । नगेए जेना झतानिह कहि बहल छल जे आ यात्रा रार्थ नै गेल छथि, जे हम कथा निथे छी, से रूमू ए यात्रामे एकठा कथाक प्लाँटै भेटै गेल । झतानिह जेना कहि बहल छल जे ओग कथाक नायक झतानिह बहत ।

(पर्दा खसैए)

बिदेह नूतन अंक भाषापक बचनानेखन-

गणेशिकोष-मैथिली- / मैथिलीकोष-गणेशिकोष- आजेकठकेँ आगू रद १५, अपन स्मर आ योगदान आ-
मेन द्वाबा ggajendra@videha.com पब पठाउ ।

१.भावत आ नेपालक मैथिली भाषा-रैडानिक लोकनि द्वाबा रँनाउन मानक शैली आ २.मैथिलीमे भाषा
सम्पादन पाठ्यक्रम

१.नेपाल आ भावतक मैथिली भाषा-रैडानिक लोकनि द्वाबा रँनाउन मानक शैली

१.१. नेपालक मैथिली भाषा रैडानिक लोकनि द्वाबा रँनाउन मानक उँचावण आ लेखन शैली

(भाषाशास्त्री डा. बामारताव यादवक धावणाकेँ पूर्ण कपसँ सझ नइ निर्धारित)

मैथिलीमे उँचावण तथा लेखन



१. पञ्चमाक्षर आ अन्त्याव. पञ्चमाक्षरानुसृत ७, ९, १, न एरं म अरैत अछि । संस्कृत भाषाक अन्त्याव शिद्धक अन्तमे जाहि रश्नाक अक्षर बहैत अछि ओही रश्नाक पञ्चमाक्षर अरैत अछि । जेना-

अर्ध (क रश्नाक बहरीक कावणे अन्तमे ७ आएन अछि ।)

पञ्च (च रश्नाक बहरीक कावणे अन्तमे ९ आएन अछि ।)

खन्ड (ठ रश्नाक बहरीक कावणे अन्तमे १ आएन अछि ।)

सन्धि (त रश्नाक बहरीक कावणे अन्तमे न आएन अछि ।)

खन्ड (प रश्नाक बहरीक कावणे अन्तमे म आएन अछि ।)

उपहर्षज रात मैथिलीमे कम देखन जागत अछि । पञ्चमाक्षरक रैदनामे अधिकशि जगहपव अन्त्यावक प्रयोग देखन जागछ । जेना- अर्ध, पञ्च, खन्ड, सन्धि, खन्ड आदि । र्याकवर्गिद पन्डित गोरिन्द माक कहरं छनि जे करञ्ज, चरञ्ज आ ठरञ्जसँ पूर्ण अन्त्याव निखन जाए तथा तरञ्ज आ परञ्जसँ पूर्ण पञ्चमाक्षर निखन जाए । जेना- अर्ध, चर्चन, अर्ध, अन्त तथा कम्पन । झुदा हिन्दीक निकट बहन आधुनिक लेखक एहि रातकेँ नहि मानैत छथि । ओ लोकनि अन्त आ कम्पनक जगहपव सेहो अर्ध आ कम्पन निथैत देखन जागत छथि ।

नरीन पञ्चति किछ सुविधाजनक अरथ छैक । किएक तँ एहिमे समय आ स्थानक रैचत होगत छैक । झुदा कतोक रैब तन्त्रनेखन रा झुदामे अन्त्यावक छोट सन रिन्द स्पष्ट नहि भेनासँ अर्थक अर्थ होगत सेहो देखन जागत अछि । अन्त्यावक प्रयोगमे उच्चारण-दोषक सम्भारना सेहो ततरै देखन जागत अछि । एतदर्थ कसँ न२ क२ परञ्ज धरि पञ्चमाक्षरक प्रयोग कवरँ उचित अछि । यसँ न२ क२ त्र धरिक अक्षरक सङ्ग अन्त्यावक प्रयोग कवरैमे कतहु कोनो विवाद नहि देखन जागछ ।

२. ठ आ ट : ठक उच्चारण “वृ ह”जकाँ होगत अछि । अतः जतः “वृ ह”क उच्चारण हो ओतः मात्र ठ निखन जाए । आन ठाम खानी ठ निखन जएरौक चाही । जेना-

ठ = ठाकी, ठेकी, ठीठ, ठेठ्ठा, ठङ्ग, ठेरी, ठाकनि, ठाठ आदि ।

ठ = पढ़ाग, रठर, गठर, मठर, रूठरी, साँठ, गाठ, बीठ, चाँठ, सीठी, पीठी आदि ।

उपहर्षज शिद्ध सभकेँ देखनासँ अ स्पष्ट होगत अछि जे साधारणतया शिद्धक श्रुतिमे ठ आ मध्य तथा अन्तमे ठ अरैत अछि । गएह नियम ड आ डक सन्दर्भ सेहो नागू होगत अछि ।

३. र आ रँ : मैथिलीमे “र”क उच्चारण रँ कएन जागत अछि, झुदा ओकरा रँ कपमे नहि निखन जएरौक चाही । जेना- उच्चारण : रैगनाथ, रिग्या, नर, देरता, रिगु, रँशि, रँदना आदि । एहि सभक स्थानपव फ्रमः रैगनाथ, रिग्या, नर, देरता, रिगु, रँशि, रँदना निखरौक चाही । सामान्यतया र उच्चारणक नेन ओ प्रयोग कएन जागत अछि । जेना- ओकीन, ओजह आदि ।



मानुषीमिह संस्कृतम् ISSN 2229-547X VIDEHA

४. य आ ज : कतह्-कतह् “य”क उच्चारण “ज”जकाँ करैत देखन जागत अछि, झुदा ओकवा ज नहि निखराक चाही । उच्चारणमे यहु, जदि, जझना, जुग, जारत, जोगी, जद्, जम आदि कहन जाएरना शिद्ध सभकेँ फ्रेशि: यहु, यदि, यझना, हग, यारत, योगी, यद्, यम निखराक चाही ।

३. ए आ य : मैथिलीक रतनीमे ए आ य दूनु निखन जागत अछि ।

प्राचीन रतनी- कएन, जाए, होएत, माए, भाए, गाए आदि ।

नरीन रतनी- कयन, जाय, होयत, माय, भाय, गाय आदि ।

सामान्यतया शिद्धक शुकमे ए मात्र अरैत अछि । जेना एहि, एना, एकव, एहन आदि । एहि शिद्ध सभक स्थानपव यहि, यना, यकव, यहन आदिक प्रयोग नहि कबरौक चाही । यद्यपि मैथिलीभाषी थाक सहित किछु जातिमे शिद्धक आवन्तामे “ए”केँ य कहि उच्चारण कएन जागत अछि ।

ए आ “य”क प्रयोगक सन्दर्भमे प्राचीन पञ्चतक अन्वसर्ग कबरौ उपहाज मानि एहि पञ्चतकमे ओकरे प्रयोग कएन गेल अछि । किएक तँ दूनुक लेखनमे कोनो सहजता आ दूकहतक रीत नहि अछि । आ मैथिलीक सरसाधारणक उच्चारण-शैली यक अपेक्षा एसँ रैसी निकट छैक । थाम क२ कएन, हएर आदि कतिपय शिद्धकेँ केन, हेर आदि कपमे कतह्-कतह् निखन जाएर सेहो “ए”क प्रयोगकेँ रैसी समीचीन प्रमाणित करैत अछि ।

३. हि, ह तथा एकाव, ओकाव : मैथिलीक प्राचीन लेखन-पत्रपत्रमे कोनो रीतपव रैन दैत कान शिद्धक पाछाँ हि, ह नगाउन जागत छैक । जेना- हुनकहि, अपनह्, ओकवह्, तकानहि, छोटहि, आनह् आदि । झुदा आधुनिक लेखनमे हिक स्थानपव एकाव एर हुक स्थानपव ओकावक प्रयोग करैत देखन जागत अछि । जेना- हुनके, अपनो, तकाने, छोट, आनो आदि ।

१. ष तथा थ : मैथिली भाषामे अधिकशित: षक उच्चारण थ होगत अछि । जेना- षडान्त्र (थडयन्त्र), षोडशी (थोडशी), षट्कोण (थट्कोण), बृषेण (बृथेण), सन्नाथ (सन्नाथ) आदि ।

+ धनि-नोप : निम्नलिखित अरस्थामे शिद्धसँ धनि-नोप भ२ जागत अछि:

(क) द्वियान्वयी प्रत्यय अयमे य रा ए वृत्त भ२ जागत अछि । ओहिमे सँ पहिले अक उच्चारण दीर्घ भ२ जागत अछि । ओकव आगाँ नोप-सूचक चिह्न रा रिकारी (’ / २) नगाउन जागछ । जेना-

पूर्व कप : पठए (पठय) गेनाह, कए (कय) नेन, उठए (उठय) पडतौक ।

अपूर्व कप : पठ’ गेनाह, क’ नेन, उठ’ पडतौक ।

पठ२ गेनाह, क२ नेन, उठ२ पडतौक ।

(ख) पूर्वकानिक प्रत्यय आय (आए) प्रत्ययमे य (ए) वृत्त भ२ जागछ, झुदा नोप-सूचक रिकारी नहि नगाउन जागछ । जेना-



मानुषीमिह संस्कृतम् ISSN 2229-547X VIDEHA

पूर्ण कप : खाए (य) गेन, पठाए (ए) देरै, नहाए (य) अएनाह ।

अपूर्ण कप : खा गेन, पठा देरै, नहा अएनाह ।

(ग) म्नी प्रत्येक गक उचावण फियापद, मन्त्रा, ओ विशेषण तीनूमे वृत्त भन् जागत अछि । जेना-

पूर्ण कप : दोसबि मानिनि चनि गेनि ।

अपूर्ण कप : दोसब मानिन चनि गेन ।

(घ) रतमान प्रदन्तक अन्तिम त वृत्त भन् जागत अछि । जेना-

पूर्ण कप : पढेत अछि, रजैत अछि, गरैत अछि ।

अपूर्ण कप : पढे अछि, रजै अछि, गरै अछि ।

(ङ) फियापदक अरमान गक, उक, एक तथा हीकमे वृत्त भन् जागत अछि । जेना-

पूर्ण कप: डियोक, डियेक, डीक, डोक, डैक, अरितेक, होगक ।

अपूर्ण कप : डियो, डिये, डी, डो, डै, अरिते, होग ।

(च) फियापदीय प्रत्येक न्, ह् तथा ह्कावक नोप भन् जागछ । जेना-

पूर्ण कप : छन्हि, कहन्हि, कहन्हूँ, गेन्ह, नहि ।

अपूर्ण कप : छनि, कहनि, कहनौँ, गेन्ह, नग, नग्रि, ले ।

६. ध्वनि स्थानान्तरण : कोनो-कोनो स्वर-ध्वनि अपना जगहसँ हटि कऽ दोसब ठाम चनि जागत अछि । खास कऽ द्रव्य ग आ उक सङ्गमे ग रात नागू होगत अछि । मैथिलीकवण भन् गेन शिद्धक मध्य रा अन्तमे जौ द्रव्य ग रा उ आरैए तँ ओकव ध्वनि स्थानान्तरित भन् एक अक्षर आगाँ आरि जागत अछि । जेना- शनि (शेगन), पानि (पागन), दानि (दागन), माटि (मागट), काछ (काउछ), मांस (माउस) आदि । ऋदा तसेम शिद्ध सभमे ग निखम नागू नहि होगत अछि । जेना- बग्गिके बगम् आ स्वर्धगिके स्वर्धग नहि कहन जा सकैत अछि ।

७. हनन्त्र()क प्रयोग : मैथिली भाषामे सामान्यतया हनन्त्र ()क आरम्भिकता नहि होगत अछि । कावण जे शिद्धक अन्तमे अ उचावण नहि होगत अछि । ऋदा संस्कृत भाषासँ जहिनाक तहिना मैथिलीमे आएन (तसेम) शिद्ध सभमे हनन्त्र प्रयोग कएन जागत अछि । एहि पौथीमे सामान्यतया सम्पूर्ण शिद्धकेँ मैथिली भाषा सङ्गही निखम अन्तसब हनन्त्ररिहीन बाखन गेन अछि । ऋदा व्याकरण सङ्गही प्रयोजनक नेन अन्तराधिक स्थानपव कतह-कतह हनन्त्र देन गेन अछि । प्रसुत पौथीमे मैथिली लेखनक प्राचीन आ नवीन दू शैलीक सबन आ समीचीन पक्ष सभकेँ समेटि कऽ र्ण-रिगस कएन गेन अछि । स्थान आ समयमे रचितक सङ्गहि हन्त-लेखन तथा तकनीकी दृष्टिसँ सेहो सबन होरहरना हिसारसँ र्ण-रिगस मिलाउन गेन अछि । रतमान समयमे मैथिली मातृभाषी पर्यन्तकेँ आन भाषाक माध्यमसँ मैथिलीक ज्ञान नेरै पढि बहन परिवर्धनमे लेखनमे सहजता तथा एककपतापव ध्यान देन गेन अछि । तखन मैथिली भाषाक मूल विशेषता सभ कृष्टि नहि होगक, ताछ दिस लेखक-मन्त्र सचेत अछि । प्रसिद्ध भाषाशास्त्री डा.



मानुषीमिह संस्कृतम् ISSN 2229-547X VIDEHA

बामारताब यादरक कहरँ छनि जे सबनताक अन्नसञ्चानमे एहन अरस्था किन्नू ने आरँ देरौक चाही जे
भाषाक विशेषता छँहमे पडि जाए ।

-(भाषाशास्त्री डा. बामारताब यादरक धारणाकेँ पूर्ण रूपसँ समर्थ नइ निर्धारित)

१.१. मैथिली अकादमी, पठना द्वारा निर्धारित मैथिली लेखन-शैली

१. जे शिखर मैथिली-साहित्यक प्राचीन कालसँ आग धरि जाहि रीतिमे प्रचलित अछि, से सामान्यतः ताहि
रीतिमे लिखन जाय- उदाहरणार्थ-

ग्राह

एखन

ठाम

जकब, तकब

तनिकब

अछि

अग्रह

अखन, अखनि, एखन, अखनी

ठिमा, ठिना, ठमा

जेकब, तेकब

तिनकब । (रैकम्पिक रूपेँ ग्राह)

ईछ, अहि, ए ।

२. निम्नलिखित तीन प्रकारक रूप रैकम्पिकतया अपनाउन जाय: भइ गेन, भय गेन वा भए गेन । जा
बहन अछि, जाय बहन अछि, जाए बहन अछि । कब गेनाह, वा कबय गेनाह वा कबए गेनाह ।

३. प्राचीन मैथिलीक 'न्ह' ध्वनिक स्थानमे 'न' लिखन जाय सकैत अछि यथा कहननि वा कहन्हि ।

४. 'ए' तथा 'उ' ततय लिखन जाय जत' स्पर्शतः 'अग' तथा 'अउ' सदृश उच्चारण गर्छ हो । यथा-
देखैत, छलैक, रौखा, छोक गलादि ।

५. मैथिलीक निम्नलिखित शिखर एहि रूपे प्रयुक्त होयत: जैह, सैह, गैह, ओह, नैह तथा दैह ।

६. ए-स्वर अकारांत शिखरमे 'ग' के वृद्ध कवरँ सामान्यतः अग्रह थिक । यथा- ग्राह देखि आरँह, मानिनि
गेनि (मनुष्य मात्रमे) ।

७. स्वतंत्र द्वय 'ए' वा 'य' प्राचीन मैथिलीक उच्चारण आदिमे तँ यथारत बाखन जाय, किन्तु आधुनिक
प्रयोगमे रैकम्पिक रूपेँ 'ए' वा 'य' लिखन जाय । यथा:- कयन वा कएन, अयनाह वा अएनाह, जाय
वा जाए गलादि ।

८. उच्चारणमे दू स्वरक रीच जे 'य' ध्वनि स्वतः आरि जागत अछि तकवा लेखमे स्थान रैकम्पिक रूपेँ
देन जाय । यथा- धीखा, अछैखा, रिखाह, वा धीया, अछैया, रियाह ।



९. सान्नासिक स्तत्र स्तव स्तान यथार्थम् 'ए' निखन जाय रा सान्नासिक स्तव । यथा:- मैएण, कनिएण, किवतनिएण रा मैएण, कनिएण, किवतनिएण ।

१०. कावक रिभक्ति क निम्ननिखित कप ग्राह:- हाथके, हाथस, हाथे, हाथक, हाथमे । 'मे' मे अन्वसार सरथा लाज थिक । 'क' क रैकल्पिक कप 'केव' बाखन जा सकैत छि ।

११. पूर्वकानिक क्रियापदक रौद 'कय' रा 'कए' अराय रैकल्पिक कपे नगाउन जा सकैत छि । यथा:- देखि कय रा देखि कए ।

१२. माँग, भाँग आदिक स्थानमे माँ, भाँ गलादि निखन जाय ।

१३. अर्ध 'न' ओ अर्ध 'म' क रँदना अन्वसार नहि निखन जाय, किन्तु छापक स्वरिधार्थ अर्ध 'उ', 'ए', तथा 'प' क रँदना अन्वसार निखन जा सकैत छि । यथा:- अर्ध, रा अर्क, अर्धन रा अर्चन, कर्ठ रा कर्ठ ।

१४. हनत चित्त निखततः नगाउन जाय, किन्तु रिभक्ति सँग अकारात प्रयोग कएन जाय । यथा:- शीमान्, किन्तु शीमानक ।

१५. सब एकन कावक चित्त शिद्धमे सँ क' निखन जाय, हँ क' नहि, सँ अरिभक्ति हेतु हँवाक निखन जाय, यथा घब पबक ।

१६. अन्वसारिके चन्द्रिन्दु द्वारा राज कयन जाय । पर्वत ऋद्धाक स्वरिधार्थ हि समान जठिन मात्रापव अन्वसार प्रयोग चन्द्रिन्दु रँदना कयन जा सकैत छि । यथा- हि केव रँदना हि ।

१७. पूर्ण रिवाय पासिसँ (।) सूचित कयन जाय ।

१८. समस्त पद सँ क' निखन जाय, रा हागहनसँ जोडि क' , हँ क' नहि ।

१९. निख तथा दिख शिद्धमे रिकारी (२) नहि नगाउन जाय ।

२०. अर्क देरनागरी कपमे बाखन जाय ।

२१. किन्तु धनिक नेन नरीन चित्त रँनराउन जाय । जा' अ नहि रँनन अछि तारत एहि दू धनिक रँदना पूर्वत अय/ अय/ अय/ अय/ अय/ अय निखन जाय । आकि ऐ रा ओ सँ राज कएन जाय ।

ह./- गोरिन्द मा ११/१७ श्रीकांत ठाकुर ११/१७ अरुण मा "अमन" ११/०५/१७

२. मैथिलीमे भाषा सम्पादन पाठ्यक्रम

२.१. उच्चारण निर्देशः (रौन्द कएन कप ग्राह):-

दन्त न क उच्चारणमे दाँतमे जीह सँ- जेना राजू नाम , ऋदा ण क उच्चारणमे जीह मूधामे सँ (ले सँ- तँ उच्चारण दोष अछि)- जेना राजू गणेश । तानरा शिमे जीह तानसँ , यमे मूधसँ आ दन्त सँ दाँतसँ सँ । निश, सब आ शेष राजि क२ देख । मैथिलीमे स के रौदिक संस्कृत जकाँ थ



सेहो उचवित कएन जागत अछि, जेना रसा, दोष । य अनेको स्थानपव ज जकाँ उचवित होगत अछि
आ ण ड जकाँ (यथा संयोग आ गणेशे संजोग आ

गडसे उचवित होगत अछि) । मैथिलीमे र क उचावण र, ने क उचावण स आ य क उचावण ज
सेहो होगत अछि ।

ओहिना द्रस्य ग रेशीकान मैथिलीमे पहिने राजन जागत अछि कावण देरनागरीमे आ मिथिलाक्षरमे द्रस्य
ग अक्षरक पहिने निथनो जागत आ राजनो जएराँक चाली । कावण जे हिन्दीमे एकव दोषपूर्ण उचावण
होगत अछि (निथन तँ पहिने जागत अछि द्वाद राजन रौदमे जागत अछि), से शिक्षा पद्धतिक
दोषक कावण हम सब ओकर उचावण दोषपूर्ण टंगसँ क२ बहन छी ।

अछि- अ ग छ ईछ (उचावण)

छथि- छ ग थ - छैथ (उचावण)

पछि- प हँ ग च (उचावण)

आरँ अ आ ग ज ए ई ओ उ अ अः अ ई सब नेन मात्रा सेहो अछि, द्वाद एमे ज ए ई ओ उ अ अः
अ केँ संज्ञाक्षर कपमे गनत कपमे अज्ञ आ उचवित कएन जागत अछि । जेना अ केँ बी कपमे
उचवित करै । आ देखियो- ई नेन देखिअ क प्रयोग अछि । द्वाद देखिई नेन देखिये
अछि । कू सँ ह धवि अ सम्मिलित भेनासँ क सँ ह रनेत अछि, द्वाद उचावण कान हननु हाज शिष्टक
अनुक उचावणक प्रवृत्ति रेटन अछि, द्वाद हम जखन मनोजमे ज् अन्तमे रजैत छी, तखनो पुनका
नोककेँ रजैत स्वररहि- मनोज२, रासुरमे ओ अ हाज ज् = ज रजै छथि ।

हेब त्र अछि ज् आ ए क संज्ञा द्वाद गनत उचावण होगत अछि- गा । ओहिना अ अछि कू आ य
क संज्ञा द्वाद उचावण होगत अछि छ । हेब ने आ व क संज्ञा अछि श्रे (जेना श्रेमिक) आ स आ
व क संज्ञा अछि स (जेना मित्र) । त्र नेन त+व ।

उचावणक ऑडियो हागन विदेह आर्कागर <http://www.videha.co.in/> पव उपलब्ध अछि । हेब
केँ / सँ / पव पूर्व अक्षरसँ सँ क२ निथु द्वाद तँ / क२ हँ क२ । एमे सँ मे पहिने सँ क२
निथु आ रौदरना हँ क२ । अकक रौद ठी निथु सँ क२ द्वाद अछ ठीम ठी निथु हँ क२- जेना

हँ क२ द्वाद सब ठी । हेब उअ य सातम निथु- हँ क२ सातम ले । घवरनामे रना द्वाद घवरानीमे रानी
अज्ञ क२ ।

बहए-

बह द्वाद सकैए (उचावण सकै-ए) ।

द्वाद कखनो कान बहए आ बह मे अर्थ भिन्नता सेहो, जेना से कम्मा जगहमे पार्किंग कवरक अग्राम
बह ओकरा । पुढनापव पता नागन जे दून् दून् नामा जे द्रागव कनाठ बसक पार्किंगमे काज कवेत
बहए ।

हँ, हँ मे सेहो ई तबहक नेन । हँ क उचावण हँ-ए सेहो ।

संयोगने- (उचावण संजोगने)

केँ/ क२

केव- क (



केव क प्रयोग गद्यमे ले कक , पद्यमे क२ सकै छी ।)

क (जेना वामक)

-वामक आ सगे (उच्चारण वाम के / वाम क२ सेहो)

सँ- स२ (उच्चारण)

चन्द्रबिन्दु आ खनस्राव- खनस्रावमे कठ धविक प्रयोग होगत अछि रूदा चन्द्रबिन्दुमे ले । चन्द्रबिन्दुमे कनेक एकावक सेहो उच्चारण होगत अछि- जेना वामसँ- (उच्चारण वाम स२) वामकेँ- (उच्चारण वाम क२/ वाम के सेहो) ।

केँ जेना वामकेँ भेन हिन्दीक को (वाम को)- वाम को= वामकेँ

क जेना वामक भेन हिन्दीक का (वाम का) वाम का= वामक

क२ जेना जा क२ भेन हिन्दीक कव (जा कव) जा कव= जा क२

सँ भेन हिन्दीक से (वाम से) वाम से= वामसँ

स२ , त२ , त , केव (गद्यमे) ए चक शिद्ध सरहक प्रयोग अछि ।

के दोसब अर्थे प्रयुक्त भ२ सकैए- जेना, के कहनक ? रिभर्जि “क”क रूदना एकव प्रयोग अछि ।

नहि, नहि, ले, नग, नँग, नगँ, नगँ ए सबक उच्चारण आ नेथन - ले

अब क रूदनामे ब्र जेना महब्रपूर्ण (महअब्रपूर्ण ले) जतए अर्थ रूदनि जाए ओतहि मात्र तीन अक्षरक संयोजनक प्रयोग उचित । सम्पति- उच्चारण स स प ग त (सम्पति ले- कावण सरी उच्चारण आसानीसँ समुत्तर ले) । रूदा सरतिम (सरतिम ले) ।

बास्त्रिय (बास्त्रिय ले)

सकैए/ सकै (अर्थ परिवर्तन)

पोडैने/ पोडै नेन/ पोडै नेन

पोडैए/ पोडैए/ (अर्थ परिवर्तन) पोडैए/ पोडै

ओ नोकनि (ठेँ क२, ओ मे रिकारी ले)

ओग/ ओहि

ओहने/

ओहि नेन/ ओही न२

जएरौ/ रैसरे



पँचभजयाँ

देथियोक/ (देथिउक ले- तहिना थ मे द्रस्य था दीर्घक मात्राक प्रयोग अन्वित)

जकाँ / जेकाँ

तँग/ तेँ

होएत / हएत

नहि/ नहि/ नँग/ नगँ/ ले

सौँसे/ सौँसे

रँड /

रँडी (मोवाउन)

गाए (गाग नहि), दादा गागक दूध (गाएक दूध ले ।)

बहनौं/ पहिबतेँ

हमली/ थली

सरँ - सभ

सरँलक - सभलक

धवि - तक

गप- राँत

रूँसरँ - समयसरँ

रूँसनौं/ समयसनौं/ रूँसनहँ - समयसनहँ

हमबा थाव - हम सभ

आकि- आ कि

सकैछ/ कबैछ (गद्यमे प्रयोगक आरथकता ले)

होअन/ होनि

जाअन (जानि ले, जेना देन जाअन) दादा जानि-रूँनि (अर्थ परिवर्तन)

पगठ/ जागठ

आड/ जाड/ आड/ जाड

मे, केँ, मँ, पब (शेद्धसँ सँठा क२) तँ क२ ध२ द२ (शेद्धसँ हँठा क२) दादा दूठा रा रँसी रिभजि संग बहनापब पहिन रिभजि ठाँकेँ सँठाडु । जेना एमे मँ ।



एकठाँ , दूठाँ (रूदा कए ठाँ)

रिकाबीक प्रयोग शैक्षक अनुभवे, रीचमे अनारथक कएँ ले। आकावातु आ अनुभवे थ क रौद रिकाबीक प्रयोग ले (जेना दिथ)

, आ/ दिया , आ, आ ले)

अपेन्द्राहलीक प्रयोग रिकाबीक रूदनामे कवरँ अनुचित आ मात्र हॉन्टक तकनीकी नूनताक परिचायक)-
उना रिकाबीक संस्कृत कप २ अरग्रह कहन जागत अछि आ रतनी आ उचावण दू ठाम एकव नोप बहेत
अछि/ बहि सकैत अछि (उचावणमे नोप बहिने अछि)। रूदा अपेन्द्राहली सेहो अंग्रेजीमे पसेमिर
केसमे होगत अछि आ फ्रेंचमे शैक्षमे जतए एकव प्रयोग होगत अछि जेना raison d'être
एतए सेहो एकव उचावण रैजोन डेटेब होगत अछि, माने अपेन्द्राहली अरकामे ले दैत अछि रवन
जोडेते अछि, से एकव प्रयोग रिकाबीक रूदना देनाग तकनीकी कएँ सेहो अनुचित)।

अगमे, एहिमे/ एँमे

जगमे, जाहिमे

एथन/ अथन/ अगथन

कै (के नहि) मे (अनुस्वार बहित)

त२

मे

द२

तँ (त२, त ले)

सँ (स२ स ले)

गाड तब

गाड नग

साँस थन

जो (जो go, करै जो do)

तै/तग जेना- तै दूखारे/ तगमे/ तगने

जै/जग जेना- जै कावण/ जगसँ/ जगने

एँ/अग जेना- एँ कावण/ एँसँ/ अगने/ रूदा एकव एकठाँ थाम प्रयोग- नानति कतेक दि नसँ कहैत
बहेत अग

नै/नग जेना नैसँ/ नगने/ नै दूखारे

नहँ/ नौ



गेनौ/ नेनौ/ नेनह/ गेनह/ नेनह/ नेन

जग/ जाहि / जै

जहि ठाय/ जाहि ठाय/ जगठाय/ जैठाय

एहि / अहि /

अग (राकाक अतमे थाला / अ

अगछ/ अछि / अछ

तग/ तहि / तै/ ताहि

ओहि / ओग

सोथि / सोथ

जोत्रि / जोत्री/ जोरै

भनेही/ भनहि '

तै/ तँग/ तँ

जाधरै/ जाधरै

नग/ नै

छग/ छै

नहि / नै/ नग

गग/ गै

छनि/ छनि ...

समय शेरदक संग जखन कोनो रि भक्ति जूटै छै तखन समे जना समेपव गतयादि । असगवमे छदए आ रि भक्ति जूठने छदे जना छदेसँ, छदेमे गतयादि ।

जग/ जाहि /

जै

जहि ठाय/ जाहि ठाय/ जगठाय/ जैठाय

एहि / अहि / अग/ अ

अगछ/ अछि / अछ

तग/ तहि / तै/ ताहि



ओहि / ओज

सोथि / सोथ

जोति / जोती

जोरी

जने / जनेही

जनेहि

ते / तेज / तेज

जाएर / जाएर

नग / ने

हुग / हु

नहि / ने / नग

गग /

गे

हुनि / हुनि

हुकन अछि / गेन गछि

१.१. मैथिलीमे भाषा सम्पादन पार्थक्य

नीचाँक सूचीमे देन रिकम्पमेसँ नैग्रिज एडीटर् द्वावा कोन कप चुनन जेरौक चाली:

रौनड कएन कप ह्राय:

१. होयरीना / होरयरीना / होमयरीना / हेर रीना, हेम रीना / होयरीक / होरयरीना / होयरीक

२. आ / आ

आ

३. क नेने / क२ नेने / क३ नेने / क४ नेने / न / न२ / न३ / न४

४. भ गेन / भ२ गेन / भ३ गेन / भ४ गेन

गेन

५. कव गेनाह / कव२

गेनाह / कव३ गेनाह / कव४ गेनाह

६.



निश्च/दिश्च निय,दिय,निश्च,दिय/

१. कव रैना/कव२ रैना/ कवय रैना कवैरैना/कव रैना /

कवैरानी

४. रैना रना (प्रकय), रानी (म्वी) ६

आङ्गन आङ्ग

५०. आयः आयत

५५. दः थ द्थ ५

२. चनि गेन चन गेन/चैन गेन

५३. देनथिह देनकिह, देनथिन

५४.

देथनहि देथननि/ देथनैह

५३. छथिह/ छनहि छथिन/ छनैन/ छननि

५७. चनैत/दैत चनति/दैति

५१. एथनो

अथनो

५४.

रैठनि रैठगन रैठहि

५६. ७/७२(सरनाम) ७

२०

. ७ (संयोजक) ७/७२

२५. हाँगि/हाँगिँ हाँगँग/हाँगु

२२.

जे जे/जे२ २३. ना-नरुब ना-नरुब

२४. केनहि/केननि /कयनहि

२३. तथनतँ/ तथन तँ

२७. जा



बहन/जाय बहन/जाय बहन

११. निकनय/निकनय

नागन/ नगन रँहवाय/ रँहवाय नागन/ नगन निकन/रँहवाय नागन

१४. ओतय/ जतय जत/ ओत/ जतय/ ओतय

१६.

की खूबन जे की खूबन जे

३०. जे जे/जे२

३५. कूदि / यादि(मोन पावर) कूजद/याजद/कूद/याद/

यादि (मोन)

३२. गहो/ ओहो

३३.

हँसय/ हँसय हँस२

३४. नौ आकि दस/नौ किरा दस/ नौ रा दस

३३. सान्ध-सान्ध सान्ध-सान्ध

३७. डह/ सात ड/डः/सात

३१.

की की/ की२ (दीर्घाकावाञ्छमे २ रज्जित)

३४. जरौरै जरौरै

३६. कबयताह/ करेताह कबयताह

४०. दनान दिशि दनान दिशि/दनान दिस

४५

. गेनाह गेनाह/गयनाह

४२. किड आव/ किड ओव/ किड आव

४३. जाग डन/ जागत डन जाति डन/जेत डन

४४. पँचि/ भेट जागत डन/ भेट जाग डन पँचि/ भेट जागत डन

४३.

जरौन (हरा)/ जरौन(फौजी)



मानुषीमिह संस्कृतम् ISSN 2229-547X VIDEHA

४३. नय/ नए क/ क२/ नए कए / न२ क२/ न२ कए

४१. न/न२ कय/

कए

४४. एथन / एथने / अथन / अथने

४६.

अलीकै अलीकै

३०. गलीब गलीब

३१.

धाव पाव केनाग धाव पाव केनाय/केनाए

३२. जेकाँ जेकाँ

जकाँ

३३. तहिना तेहिना

३४. एकब अकब

३५. रँहिनउ रँहनोग

३६. रँहिन रँहिन

३७. रँहिन-रँहनोग

रँहिन-रँहनउ

३८. नहि/ नै

३९. कवरौ / कवरौय/ कवरौए

४०. तँ/ त २ तय/तए

४१. भैयाबी मे छोट-भाए/भै/, जेठ-भाय/भाए

४२. गि नतीमे दू भाग/भाए/भाँग

४३. जा पोथी दू भागक/ भाँग/ भाए/ नेन। यारत जारत

४४. माय मे / माए दूदा मागक ममत

४५. देखि/ दगन दनि / दएहि/ दयहि दहि/ दैहि

४६. द/ द२/ दए

४७. ओ (संयोजक) ओ२ (सरनाम)



मानुषीमिह संस्कृतम् ISSN 2229-547X VIDEHA

७४. तका कए तकाय तकाए

७५. पैरे (on foot) पएरे कएक/ कैक

१०.

ताह्ये/ ताह्ये

१५.

प्रतीक

१९.

रँजा कय/ कए / क२

१३. रँननाय/रँननाओ

१४. कोना

१३.

दिनका दिनका

१३.

ततहिँ

११. गवरँउनहिँ/ गवरँननि /

गवरँनहिँ/ गवरँननि

१४. रौन रौन

१५.

छेह छिह(अथवा)

४०. जे जे

४५

. से/ के से/के

४२. एथनका अथनका

४३. भूमिहाव भूमिहाव

४४. सुगव

/ सुगवक/ सुगव

४३. सठहाक सठहाक ४३.



डुरि

†१. कवगयो/उ करैयो ले देनक /कवियौ-कवगयौ

††. प्ररौवि

प्ररौग

†२. सगड् १-साँठि

सगड् १-साँठि

२०. पथरे-पथरे पेरै-पेरै

२१. खेनएरौक

२२. खेनेरौक

२३. नगा

२४. होए- हो – होथए

२५. रूमन रूमन

२६.

रूमन (संरौधन अर्थमे)

२७. यैह यैह / जएह/ मैह/ सएह

२८. तातिन

२९. अयनाय- अयनाज/ अयनाज/ एनाज

३०. निम्न- निन्द

३१.

रिन्न रिन

३२. जाए जाज

३३.

जाज (in different sense)-last word of sentence

३४. डत पव आरि जाज

३५.

ले

३६. खेनाए (play) -खेनाज



मानुषीमिह संस्कृतम् ISSN 2229-547X VIDEHA

१०१. शिकागत- शिकायत

१०४.

ठप- ठप

१०६

. पठ- पठ

११०. कनिअ/ कनिये कनिअ

१११. बाकस- बाकस

११२. होअ/ होय होअ

११३. अउबदा-

अउबदा

११४. बूमेनहि (different meaning - got understand)

११५. बूमेनहि/बूमेननि / बूमेयनहि (understood himself)

११६. चनि- चन/ चनि गेन

११७. थधाअ- थधाय

११८.

मोन पाडनहि/ मोन पाडनहि न/ मोन पावनहि

११९. कैक- कएक- कएक

१२०.

नग नग

१२१. जरेनाअ

१२२. जरेनाअ जरेनाअ- जरेनाअ/

जरेनाअ

१२३. होअत

१२४.

गवरैनहि/ गवरैननि गवरैनहि/ गवरैननि

१२५.

चिथेत- (to test) चिथेत



मानुषीमिह संस्कृतम् ISSN 2229-547X VIDEHA

११७. कबगयो (willing to do) करैयो

११९. जेकबा- जकबा

११९. तकबा- तेकबा

११९.

रिदेसब स्थानेमे/ रिदेसरे स्थानेमे

१२०. कबरँयनहँ/ कबरँएनहँ/ कबरँनहँ कबरँनौ

१२१.

हाविक (उचावषा हाविक)

१२१. ओजन रजन आहसोच/ आहसोस कागत/ कागच/ कागज

१२२. आधे भाग/ आध-भाग

१२४. पिचा / पिचाय/पिचाए

१२३. नए/ ने

१२७. रँचा नए

(ने) पिचा जाय

१२९. तखन ने (नए) कहैत अछि। कहै/ स्नेह/ देखै डन दान कहैत-कहैत/ स्नेह-स्नेह/ देखैत-देखैत

१२९.

कतेक गोठे/ कताक गोठे

१२९. कमाग-धमाग/ कमाग- धमाग

१३०

. नग नग

१३१. खेनाग (for playing)

१३१.

डथिह/ डथिन

१३२.

होगत होग

१३४. का कियो / केउ



मानुषीमिह संस्कृतम् ISSN 2229-547X VIDEHA

१४३.

केश (hai r)

१४३.

केस (court -case)

१४१

. रैननाग/ रैननाय/ रैननाए

१४४. जरेनाग

१४६. कवमी कर्मी

१३०. चवचा चर्चा

१३१. कर्म कवम

१३१. डुराँरै/ डुराँरै/ डुराँरै डुराँरै/ डुराँरै

१३३. एथनका/

अथनका

१३४. नथ/ निथ (राकाक अंतिम शब्द)- न

१३३. कथनक/

केनक

१३३. गवमी गर्मी

१३१

. रवदी रदी

१३४. रना गेनाह रना/रना

१३६. एनाग-गेनाग

१३०.

तेना ने घेवनहि/ तेना ने घेवननि

१३१. नथि / ने

१३१.

डरो डरो

१३३. कतह/ कतौ कही



मानुषीमिह संस्कृतम् ISSN 2229-547X VIDEHA

५३४. उमबिगब-उमेवगब उमवगब

५३५. भविगब

५३६. धोन/धोथन धोएन

५३७. गप/गप्प

५३८.

के के

५३९. दवरँज्जा/ दवरँजा

५४०. ठाय

५४१.

धवि तक

५४२.

घुवि नौटि

५४३. थोवरँक

५४४. रँड

५४५. तौ/ तूँ

५४६. तौलि (पद्यमे ह्रास)

५४७. तौली / तौलि

५४८.

कवरँगए कवरँगये

५४९. एकेठा

५५०. कवितथि / कबतथि

५५१.

पहुँचि/ पहुँच

५५२. बाथनहि बथनहि/ बथननि

५५३.

नगनहि/ नगननि नागनहि

५५४.



मानुषीमिह संस्कृतम् ISSN 2229-547X VIDEHA

सुनि (उँचावना सुजन)

१+३. अँडि (उँचावना अँगड्ड)

१+३. एनथि गेनथि

१+१. रिंतउने/ रि तौने/

रिंतेने

१+४. कवरँउनहि/ कवरौननि /

करेनथिन्ह/ करेनथि न

१+६. कवएनहि/ करेननि

१६०.

आकि/ कि

१६१. पँटि/

पँट

१६२. रँती जवाय/ जवाए जवा (आंति नगा)

१६३.

से से

१६४.

हाँ मे हाँ (हाँमे हाँ रिंभक्तिमे हँटा कए)

१६५. खैन खैन

१६६. खगन(spacious) खैन

१६७. होयतहि/ होएतहि/ होएतनि /हेतनि / हेतहि

१६८. हाथ मटिआएँ/ हाथ मटियारँय/हाथ मटियाएँ

१६९. खेका खेका

१७०. देखाए देखा

१७१. देखारँए

१७२. सतुवि सतुव

१७३.

साहेरँ साहेरँ



१०४. गोनैह/ गोनहि/ गोननि

१०५. हेरौक/ होएरौक

१०६. केनो/ कएनह/ केनौ/ केबू

१०७. किछ न किछ/

किछ ने किछ

१०८. घुमेनह/ घुमओनह/ घुमेनौ

१०९. एनाक/ अएनाक

११०. अः/ अह

१११. नय/

नए (अर्थ-पविरउतन) ११२. कनीक/ कनेक

११३. सरौलक/ सलक

११४. मिना२/ मिना

११५. क२/ क

११६. जा२/

जा

११७. आ२/ आ

११८. भ२ / भ (‘ हॉन्टिक कमीक आतक)

११९. निअम/ नियम

१२०

.लेबठअव/ लेबठयव

१२१. पहिन अक्खव ठ/ रौदक/ रौचक ठ

१२२. तहि/तहिं/ तहिं/ तै

१२३. कहि/ कही

१२४. तँग/

तै / तँग

१२५. नँग/ नगं/ नहिं/ नहि/लै

१२६. हे/ हए / एनीहै/



मानुषीमिह संस्कृतम् ISSN 2229-547X VIDEHA

१११. छत्रि/ छै/ छैक / छग

११४. दृष्टिअँ/ दृष्टियै

११६. आ (come)/ आ२(conjunction)

१२०.

आ (conjunction)/ आ२(come)

१२५. कनो/ कोनो, कोना/केना

१२६. गोनैह-गोनहि-गोननि

१२७. हेरौक- होएरौक

१२८. केनौ- कएनौ-कएनहँ/केनौ

१२९. किछ न किछ- किछ ने किछ

१३०. केहेन- केहन

१३१. आ२ (come)-आ (conjunction -and)/आ । आरँ-आरँ /आरँह-आरँह

१३४. हएत-हैत

१३६. घुमेनहँ-घुमेनहँ- घुमेना

१४०. एनाक- अएनाक

१४५. होनि- होगन/ होहि

१४६. उ-बाम उ आमक रौच(conjunction), उ२ कहनक (he said)/उ

१४७. की हए/ कोसी अएनी हए/ की है। की हग

१४८. दृष्टिअँ/ दृष्टियै

१४९.

.शोमिन/ सामेन

१४९. तै / तँ/ तहि/ तहि

१४९. जौ

/ जाँ/ जाँ

१४४. सभ/ सरँ

१४६. सभक/ सरँक

१५०. कहि/ कही



१३९. कनो/ कोनो/ कोनहूँ/

१३९. हावकती भय गेन/ भय गेन/ भय गेन

१३९. कोना/ केना/ कन्ना/कना

१३९. थः / थह

१३९. जनै/ जनए

१३९. गेननि /

गेनाह (अर्थ परिवर्तन)

१३९. केनहि/ कएनहि/ केननि /

१३९. नय/ नय/ नयह (अर्थ परिवर्तन)

१३९. कनीक/ कनेक/कनी-मनी

१३९. पठैनहि पठैननि / पठैनगन/ पपठैनहि/ पठैनौननि /

१३९. निश्चय/ नियम

१३९. हेबैरथ/ हेबैरथ

१३९. पहिन अक्षर बहने ठ/ रीचमे बहने ठ

१३९. आकावातमे रिकारीक प्रयोग उचित नै/ अपोस्ट्रोफिक प्रयोग हान्टिक तकनीकी नूनताक परिचायक
ओकर रैदना अरुत (रिकारी) क प्रयोग उचित

१३९. केव (पद्यमे हाँह) / -क/ क२/ के

१३९. डैहि- डहि

१३९. नगैए/ नगैये

१३९. हाँएत/ हएत

१३९. जाँएत/ जएत/

१३९. आँएत/ अएत/ आँउत

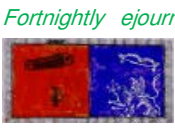
१३९

. आँएत/ अएत/ खेत

१३९. पिअरौक/ पिअरौक/पि येरौक

१३९. शुक/ शुकह

१३९. शुकहे/ शुकए



११३. अतार/अउतार/ एतार/ उतार

११३. जाहि/ जाग/ जग/ जै/

१११. जागत/ जैतए/ जगतए

११४. अएन/ अएन

११६. कैक/ कएक

११०. आयन/ अएन/ अएन

११५. जाए/ जअए/ जए (नानति जाए नगनीह ।)

११२. बकएन/ बकाएन

११३. कर्अएन/ कर्अएन

११४. ताहि/ ते/ तग

११३. गायरै/ गाएरै/ गएरै

११३. सकै/ सकए/ सकय

१११. सेवा/सवा/ सवाए (भात सवा गेन)

११४. कहैत बही/देखैत बही/ कहैत डनौं/ कहैत डनौं- अहिना चनैत/ पटैत

(पटै-पटैत अर्थ कथनो कान पविरति) - आव रूमे/ रूमेत (रूमे/ रूमे डी, रुदा रूमेत-रूमेत)/ सकैत/ सकै। करैत/ करै। दै/ दैत। डैक/ डै। रचनौ/ रचनैक। बखरा/ बखराक। रिन/ रिन। वातिक/ वातुक रूमे आ रूमेत केव अपन-अपन जगहपव प्रयोग समीचीन अछि। रूमेत-रूमेत आर रूमनि ए। हमरू रूमे डी।

११६. दुआरे/ द्वावे

११०. भेटि/ भेटि/ भेटि

११५.

खन/ खीन/ खना (भोव खन/ भोव खीन)

११२. तक/ धवि

११३. ग२/ गै (meaning different - जनरै ग२)

११४. स२/ स (रुदा द२, न२)

११३. ७. त्र (तीन अक्षरक मेन रँदना पुनरुक्ति एक आ एकटा दोसरक उपयोग) आदिक रँदना त्र आदि। मरुतु/ मरुतु/ कर्ता/ कर्ता आदिमे त्र संज्ञक कोनो आरथकता मैथिलीमे नै अछि। रज्जरा

११३. रैसी/ रैसी



१८१. रौना/राना रौना/ रना (बहेरौना)

१८४

.रानी/ (रौदनेरानी)

१८८. रात/ रात

३००. अन्तर्वाह्य/ अन्तर्वाह्य

३०५. नेम/ नेरै

३०६. नमडवका/ नमडवका

३०७. नागै/ नगै (

भेटैत/ भेटै)

३०८. नागन/ नगन

३०९. तरौ/ तरा

३१०. बाखनक/ बखनक

३११. आ (come)/ आ (and)

३१२. पश्चाताप/ पश्चाताप

३१३. २ केव रारहाव शिद्धक अन्तर्मे मात्र, यथार्थर रीचमे नै।

३१४. कहेत/ कहे

३१५.

बहए (डन)/ बहे (डने) (meaning different)

३१६. तागति/ ताकति

३१७. खवाप/ खवाँ

३१८. रौगन/ रौनि/ रौगनि

३१९. जागै/ जागै

३२०. कागज/ कागज/ कागत

३२१. गिरे (meaning different - swallow)/ गिबए (खसए)

३२२. बाह्य/ बाह्य

DATE-LIST (year - 2013-14)



मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

(१४१९ शुभवी ज्ञान)

Marriage Days :

Nov.2013 – 18, 20, 24, 25, 28, 29

Dec.2013 – 1, 4, 6, 8, 12, 13

January 2014 – 19, 20, 22, 23, 24, 26, 31.

Feb.2014 – 3, 5, 6, 9, 10, 17, 19, 24, 26, 27.

March 2014 – 2, 3, 5, 7, 9.

April 2014 – 16, 17, 18, 20, 21, 23, 24.

May 2014 – 1, 2, 8, 9, 11, 12, 18, 19, 21, 25, 26, 28, 29, 30.

June 2014 – 4, 5, 8, 9, 13, 18, 22, 25.

July 2014 – 2, 3, 4, 6, 7.

Upanayana Days :

February 2014 – 2, 4, 9, 10.

March 2014 – 3, 5, 11, 12.

April 2014 – 4, 9, 10.

June 2014 – 2, 8, 9.

Dviragaman Din :

November 2013 – 18, 21, 22.

December 2013 – 4, 6, 8, 9, 12, 13.

February 2014 – 16, 17, 19, 20.

March 2014 – 2, 3, 5, 9, 10, 12.

April 2014 – 16, 17, 18, 20.

May 2014 – 1, 2, 9, 11, 12.



मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

Mundan Di n:

November 2013– 20, 22.

December 2013– 9, 12, 13.

January 2014– 16, 17.

February 2014– 6, 10, 19, 20.

March 2014– 5, 12.

April 2014– 16.

May 2014– 12, 30.

June 2014– 2, 9, 30.

FESTIVALS OF MITHILA (2013–14)

Mauna Panchami –27 July

Madhushravani – 9 August

Nag Panchami – 11 August

Raksha Bandhan– 21 Aug

Krishnastami – 28 August

Kushi Amavasya / Somvari Vrat – 5 September

Hartalika Teej – 8 September

ChauthChandra –8 September

Vishwakarma Pooja – 17 September

Anant Caturdashi – 18 Sep

Pitri Paksha begins – 20 Sep

Jimootavahan Vrata/ Jitia –27 Sep



मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

Matri Navami -28 Sep

Kalashsthan - 5 October

Belnauti - 10 October

Patrika Pravesh - 11 October

Mahastami - 12 October

Maha Navami - 13 October

Vijaya Dashami - 14 October

Kojagara - 18 Oct

Dhanteras - 1 November

Diya-bati, shyama pooja - 3 November

Annakoota/ Govardhana Pooja - 4 November

Bhratridwitiya/ Chitragnpta Pooja - 5 November

Chhathi - 8 November

Sama Poojaarambh - 9 November

Devotthan Ekadashi - 13 November

ravi vratarambh - 17 November

Navanna parvan - 20 November

KartikPoornima - Sama Visarjan - 2 December

Vivaha Panchmi - 7 December

Makara/ Teela Sankranti - 14 Jan

Naraknivarana chaturdashi - 29 January

Basant Panchami / Saraswati Pooja - 4 February

Achla Saptmi - 6 February



मानुषीमिह संस्कृतम् ISSN 2229-547X VIDEHA

Ma hashi var atri -27 February

Hol i ka da han -Fagua -16 March

Hol i - 17 March

Saptadora - 17 March

Varuni Trayodashi -28 March

Jur i shi tal -15 April

Ram Navami - 8 April

Akshaya Tritiya -2 May

Janaki Navami - 8 May

Ravi Brat Ant - 11 May

Vat Savitri -barasait - 28 May

Ganga Dashhara -8 June

Hari vasar Vrata - 9 July

Shree Guru Poornima -12 Jul

VI DEHA ARCHI VE

पत्रिकाक सबैठा पुरान अंक ब्रैल-रिदेह आ तिवहता आ देरनागरी रूपमे Videha e journal's
all old issues in Braille Tirhuta and Devanagari versions

रिदेह आ अंक पत्रिकाक पहिन ३.०-

रिदेह आ पत्रिकाक ३.०म सँ आगाँक अंक-

<http://sites.google.com/a/videha.com/videha/>

<https://sites.google.com/a/videha.com/videha-archive-part-i/>

<https://sites.google.com/a/videha.com/videha-archive-part-ii/>

१. मैथिली पोथी डाउनलोड Maithili Books Download

<http://sites.google.com/a/videha.com/videha-pothi>

३. संकलन ऑडियो मैथिली. Maithili Audio Downloads



मानुषीमिह संस्कृतम् ISSN 2229-547X VIDEHA

<http://sites.google.com/a/videha.com/videha-audio>

४. मैथिली रेडियोक संकलन Maithili Videos

<http://sites.google.com/a/videha.com/videha-video>

३. आधुनिक चित्रकला आ चित्र / मिथिला चित्रकला. Mithila Painting/ Modern Art and Photos

<http://sites.google.com/a/videha.com/videha-paintings-photos/>

"रिदेह"क एहि सब सहयोगी लिंकपब सेहो एक लेब जाऊ ।

७. रिदेह मैथिली क्विज :

<http://videhaquiz.blogspot.com/>

१. रिदेह मैथिली जानबूत एग्रीगेटर :

<http://videha-aggregator.blogspot.com/>

+ रिदेह मैथिली साहित्य अंग्रेजीमे अनूदित

<http://madhubani-art.blogspot.com/>

९. रिदेहक पूर्व-रूप "भानसबिक गाछ" :

<http://gajendrathakur.blogspot.com/>

१०. रिदेह गर्डेक :

<http://videha123.blogspot.com/>

११. रिदेह फागन :

<http://videha123.wordpress.com/>

१२. रिदेह: सदेह : पहिन तिवहता (मिथिला संस्कार) जानबूत (ब्लॉग)

<http://videha-sadeha.blogspot.com/>

१३. रिदेह: ब्रेल: मैथिली ब्रेलमे: पहिन लेब रिदेह द्वारा

<http://videha-braille.blogspot.com/>

१४. VI DEHA I ST MAI THI LI FORTNI GHTLY EJ OURNAL ARCHI VE

<http://videha-archive.blogspot.com/>



मानुषीमिह संस्कृतम् ISSN 2229-547X VIDEHA

१३. रिदेह प्रथम मैथिली पाष्किक ङा पत्रिका मैथिली पोथीक आर्कागर

<http://videha-pothi.blogspot.com/>

१७. रिदेह प्रथम मैथिली पाष्किक ङा पत्रिका ऑडियो आर्कागर

<http://videha-audio.blogspot.com/>

१९. रिदेह प्रथम मैथिली पाष्किक ङा पत्रिका वीडियो आर्कागर

<http://videha-video.blogspot.com/>

१५. रिदेह प्रथम मैथिली पाष्किक ङा पत्रिका मिथिला चित्रकला, आधुनिक कला आ चित्रकला

<http://videha-paintings-photos.blogspot.com/>

१६. मैथिल आब मिथिला (मैथिलीक सभसँ लोकप्रिय जानवृत्त)

<http://maithilaurmithila.blogspot.com/>

२०. प्रकाशिन श्रुति.

<http://www.shruti-publication.com/>

२१. <http://groups.google.com/group/videha>

२२. <http://groups.yahoo.com/group/VIDEHA/>

२३. गजेन्द्र ठाकुर गडेकर


<http://gajendrathakur123.blogspot.com>

२४. मेना कुठका

<http://mangan-khabas.blogspot.com/>

२३. रिदेह रेडियोकरिता आदिक पहिल पोडकास्ट सागठ-मैथिली कथा:

<http://videha123radio.wordpress.com/>

२७.  Videha Radio

२९.  Join official Videha facebook group.



मानुषीमिह संस्कृतम् ISSN 2229-547X VIDEHA

२५. रिदेह मैथिली नाट्य ङ्गरे

<http://maithili-drama.blogspot.com/>

२६. समदिया

<http://esamaad.blogspot.com/>

३०. मैथिली फिल्म

<http://maithilifilms.blogspot.com/>

३१. अन्धचिन्हार आथर

<http://anchinharakharkolkata.blogspot.com/>

३२. मैथिली हाङ्कू

<http://maithili-hai ku.blogspot.com/>

३३. मानक मैथिली

<http://manak-maithili.blogspot.com/>

३४. रिहनि कथा

<http://vihani katha.blogspot.in/>

३५. मैथिली करिता

<http://maithili-kavita.blogspot.in/>

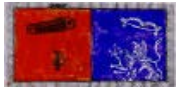
३६. मैथिली कथा

<http://maithili-katha.blogspot.in/>

३७. मैथिली समालोचना

<http://maithili-samalochna.blogspot.in/>

महत्त्वपूर्ण सूचना: The Maithili pdf books are AVAILABLE FOR free PDF



मानुषीमिह संस्कृतम् ISSN 2229-547X VIDEHA

DOWNLOAD AT

<https://sites.google.com/a/videha.com/videha/>

<http://videha123.wordpress.com/>

<http://videha123.wordpress.com/about/>



विदेह:सदेह:१: २: ३: ४:५:६:७:८:९:१० "विदेह"क प्रिठ संस्करण: विदेह-३-पत्रिका
(<http://www.videha.co.in/>) क छन बचना सम्मिति।

सम्पादक: गजेन्द्र ठाकुर।

Details for purchase available at publishers's (print-version) site
<http://www.shruti-publication.com> or you may write to
shruti_publication@shruti-publication.com

विदेह



मानुषीमिह संस्कृतम् ISSN 2229-547X VIDEHA



मैथिली साहित्य आन्दान

(c) २००४-१४. सराधिकार लेखकाधीन आ जतए लेखकक नाम नहि अछि ततए संपादकाधीन । रिदेह- प्रथम मैथिली पाष्किक ङा-पत्रिका ISSN 2229-547X VIDEHA संपादक: गजेन्द्र ठाकुर । सह-संपादक: उमेश मंडन । सहायक संपादक: शिर कमार सा, वाम रि नास साह आ कल्लुज (मनोज कमार कर्ण) । भाषा-संपादन: नागेन्द्र कमार सा आ पञ्चकवार रिहानन्द सा । कला-संपादन: ज्योति सा चौधरी आ बप्पि बेथा सिन्हा । संपादक-मोध-अभ्युषा: डा. जया रमा आ डा. बाजरी कमार रमा । संपादक-नार्टक-वर्गमंच-चनचित्र- रेंचन ठाकुर । संपादक- सूचना-संपर्क-समाद- पूनम मंडन आ प्रियंका सा । संपादक- खबराद रिभाग- रिनीत उपेन ।

बचनाकाब अपन मूिनिक आ अप्रकाशित बचना (जकब मूिनिकताक संपूर्ण उतबदायित्व लेखक गणक मधा छुनि) ggajendra@videha.com केँ मेन अटैचमेन्टक रुपमे .doc, .docx, .rtf रा .txt फॉर्मेटमे पठा सकैत छुनि । बचनाक संग बचनाकाब अपन संक्षिप्त परिचय आ अपन स्कैन कएन गेन फ्लोटे पठेताह, से आशि करैत छी । बचनाक अंतमे ठागप बहय, जे ङा बचना मूिनिक अछि, आ पहिन प्रकाशिनक हेतु रिदेह (पाष्किक) ङा पत्रिकाकेँ देन जा बहन अछि । मेन प्राप्त होयराक रौद यथासंभर शीघ्र (सात दिनक भीतब) एकब प्रकाशिनक अंकक सूचना देन जायत । 'रिदेह' प्रथम मैथिली पाष्किक ङा पत्रिका अछि आ एमे मैथिली, संस्कृत आ अंग्रेजीमे मिथिला आ मैथिलीसँ संरक्षित बचना प्रकाशित कएन जागत अछि । एहि ङा पत्रिकाकेँ शीमति नम्रा ठाकुर द्वारा मासक ०१ आ १३ तिथिकेँ ङा प्रकाशित कएन जागत अछि ।

(c) २००४-१४ सराधिकार स्ववक्षित । रिदेहमे प्रकाशित सभठा बचना आ आर्कागरक सराधिकार बचनाकाब आ संग्रहकतुकि नगमे छुनि । बचनाक खबराद आ पुनः प्रकाशिन किरा आर्कागरक उपयोगक अधिकार किनराक हेतु ggajendra@videha.com पब संपर्क कक । एहि सागठकेँ शीति ना ठाकुर, मधुनिका चौधरी आ बप्पि प्रिया द्वारा डिजागन कएन गेन । ३. जुनाङ २००४ केँ

<http://gajendrat hakur.blogspot.com/2004/07/bhalsarik-gachh.html> “भानसबिक गाछ”- मैथिली जानरुतसँ प्रावसु गठबनेठपब मैथिलीक प्रथम उपस्थितिक यात्रा रिदेह- प्रथम मैथिली पाष्किक ङा पत्रिका धवि पठ्चन अछि, जे <http://www.videha.co.in/> पब ङा प्रकाशित होगत अछि । आर “भानसबिक गाछ” जानरुत 'रिदेह' ङा-पत्रिकाक प्ररजाक संग मैथिली भाषाक जानरुतक एगीगेठबक रुपमे प्रयाज भू बहन अछि । रिदेह ङा-पत्रिका ISSN 2229-547X VIDEHA



सिंहिबु

